PLUTUS IAS

CURRENT AFFAIRS

Argasia Education PVT. Ltd. (GST NO.-09AAPCAI478E1ZH)
Address: Basement C59 Noida, opposite to Priyagold Building gate, Sector 02, Pocket I, Noida, Uttar Pradesh, 201301, CONTACT NO:-8448440231

Date –16- April 2025

भारत का उत्तर पूर्वी क्षेत्र : भारत के लिए आर्थिक विकास का केंद्र

खबरों में क्यों?

- हाल ही में भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में वैश्विक निवेश और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े कदम में, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) ने 15 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में एक राजदूत बैठक का आयोजन किया। क्षेत्र की विशाल आर्थिक और रणनीतिक क्षमता का पता लगाने के लिए 80 से अधिक देशों ने भाग लिया।
- माननीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने एनईआर को व्यापार, कनेक्टिविटी और नवाचार के केंद्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने आठ उत्तर पूर्वी राज्यों में से प्रत्येक की अद्वितीय शक्तियों पर जोर दिया और देशों को इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया, जो भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत दक्षिण पूर्व एशिया के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।

भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) बारे में संक्षिप्त जानकारी :

- एनईआर में 8 राज्य शामिल हैं - अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम - जो भारत के 7.98% क्षेत्र और 3.76% आबादी को कवर करते हैं (जनगणना 2011)। भूटान, चीन, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ 5,300 किमी से अधिक अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हुए, यह भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत रणनीतिक महत्व रखता है।

सुरक्षा एवं शांति पहल :

1. उग्रवाद की घटनाओं में 80% की गिरावट (2014-2020); नागरिक हताहतों में 99% की गिरावट।
2. 2014 से अब तक 6,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया।
3. असम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में AFSPA में उल्लेखनीय कमी आई।

प्रमुख शांति समझौते :

1. **बोडो समझौता (2020)-** 1,615 कैडरों ने आत्मसमर्पण किया।
2. **ब्रू-रियांग समझौता (2020)-** 37,000 विस्थापितों को पुनः बसाया गया।
3. **कार्बी आंगलोंग समझौता (2021) -** 1,000 से अधिक उग्रवादी मुख्यधारा में शामिल हुए।
4. **असम-मेघालय सीमा समझौता (2022) -** 65% विवादों का समाधान किया गया।

विकास को बढ़ावा :

1. बजटीय आवंटन दोगुना हो गया: ₹36,108 करोड़ (2014-15) → ₹76,040 करोड़ (2022-23)।
2. क्षेत्रीय विकास में तेजी लाने के लिए ₹1,500 करोड़ से PM-DevINE योजना शुरू की गई।
3. इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, निवेश और सीमा व्यापार पर जोर।

कार्यनीतिक दृष्टि :

- एनईआर को अब दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जो भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग के माध्यम से कनेक्टिविटी और एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप आसियान बाजारों के साथ एकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

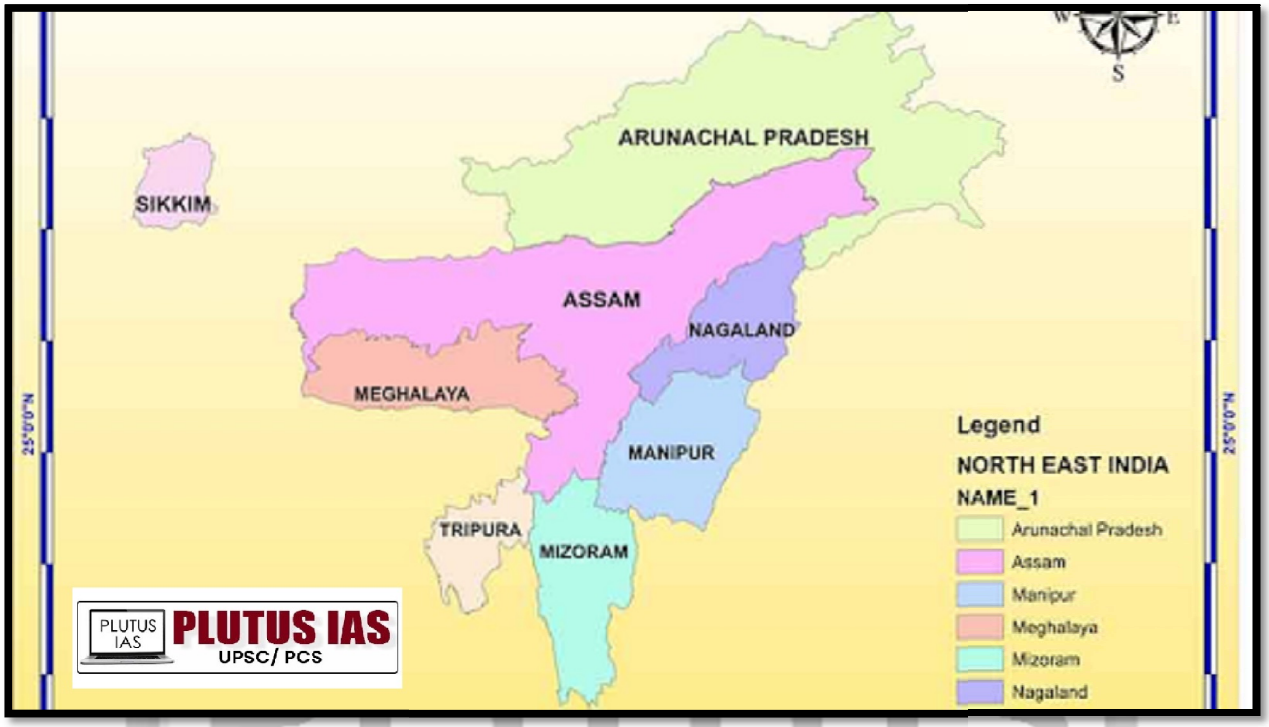

एनईआर विकास के लिए सरकारी योजना :

वर्ग	नाम	मुख्य विशेषताएं/उद्देश्य
योजनाओं	**पीएम-डिवाइन (2022)**	एनईआर में बुनियादी ढांचे, आजीविका, उद्यमिता और सामाजिक विकास के लिए ₹1,500 करोड़ की योजना।
	NESIDS (उत्तर पूर्व विशेष इन्फ्रा विकास योजना)	जल, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसे क्षेत्रों के लिए 100% केंद्रीय वित्त पोषित।
	एनईआरएसडीएस (सड़क क्षेत्र योजना)	अंतर-राज्य और अंतर-राज्य सड़क बुनियादी ढांचे का विकास करता है।
	एनईआईडीएस, 2017 (औद्योगिक योजना)	जीएसटी, परिवहन और रोजगार के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन - निजी निवेश को बढ़ावा।
	एनएलसीपीआर योजना (डोनर)	निधि प्राथमिकता वाले बुनियादी ढांचे को अन्य योजनाओं के अंतर्गत कवर नहीं किया गया है।
	उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी)	वैधानिक एनईसी निकाय के माध्यम से क्षेत्रीय

	अनुदान	योजना और परियोजना वित्त पोषण।
	डिजिटल नॉर्थ ईस्ट विजन 2022	ई-गवर्नेंस, डिजिटल इन्फ्रा, कौशल विकास, ई-स्वास्थ्य आदि पर ध्यान दें।
	मिशन जैविक मूल्य श्रृंखला विकास (MOVCDNER)	जैविक खेती और मूल्य श्रृंखला एकीकरण को बढ़ावा देता है।
	जीवंत ग्राम कार्यक्रम	अरुणाचल प्रदेश और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के सीमावर्ती गांवों में बुनियादी ढांचा और आजीविका सहायता।
अधिनियम एवं समझौते	**उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम, 1971**	क्षेत्रीय समन्वय और विकास के लिए एक वैधानिक निकाय के रूप में एनईसी की स्थापना की।
	एएफएसपीए, 1958 (आंशिक रूप से वापस लिया गया)	बेहतर सुरक्षा के कारण धीरे-धीरे कई जिलों से हटा दिया गया।
	बोडो समझौता (2020)	5 दशक पुराना बोडो मुद्दा सुलझाया; 1,615 कैडरों ने आत्मसमर्पण किया।
	ब्रू-रियांग समझौता (2020)	त्रिपुरा में 37,000 विस्थापित ब्रू-रियांग लोगों का पुनर्वास।
	एनएलएफटी समझौता (2019)	88 कैडरों ने आत्मसमर्पण किया; त्रिपुरा में शांति का लक्ष्य.
	Karbi Anglong Accord (2021)	असम के कार्बी क्षेत्र में 1,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया।
	असम-मेघालय सीमा समझौता (2022)	लंबे समय से लंबित 65% अंतरराज्यीय सीमा विवादों का समाधान किया गया।
नीतियों	**एक्ट ईस्ट पॉलिसी (2014)**	आसियान के साथ कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंध बढ़ाता है; एनईआर दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार है।
	एनईआर के लिए पर्यटन संवर्धन नीति	इको-पर्यटन, सांस्कृतिक सर्किट, साहसिक पर्यटन।

	स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया - एनईआर फोकस	युवा उद्यमिता, एमएसएमई और नवाचार को बढ़ावा देता है।

एनईआई भारत के आर्थिक विकास के स्तंभ के रूप में :

1. **रणनीतिक स्थान और कनेक्टिविटी क्षमता:** एनईआर भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार और चीन के साथ 5,300 किमी से अधिक अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। आसियान और पूर्वी एशिया के साथ व्यापार को बढ़ावा देने, भारत की एक्ट ईस्ट नीति के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
2. **प्राकृतिक संसाधन समृद्धि:** यह क्षेत्र तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, चूना पत्थर, वन उपज और जल विद्युत क्षमता (58,000 मेगावाट से अधिक अनुमानित) से समृद्ध है। प्रचुर मात्रा में बांस और औषधीय पौधे स्थायी आर्थिक अवसर प्रदान करते हैं।
3. **जैविक खेती हब:** न्यूनतम रासायनिक उपयोग के साथ, एनईआर जैविक कृषि के लिए आदर्श है। MOVCDNER जैसी सरकारी योजनाएं निर्यात-उन्मुख जैविक मूल्य श्रृंखलाओं का समर्थन करती हैं।
4. **सांस्कृतिक और पारिस्थितिक पर्यटन क्षमता:** अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत, जैव विविधता और प्राकृतिक परिदृश्य एनईआर को पारिस्थितिक पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र बनाते हैं। स्थानीय रोजगार उत्पन्न करने में मदद करता है और सतत विकास को बढ़ावा देता है।
5. **कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर बूम:** सड़क, रेलवे, वायुमार्ग और डिजिटल कनेक्टिविटी में प्रमुख निवेश अलगाव को कम कर रहे हैं। भारत-म्यांमार-थाईलैंड राजमार्ग, कलादान परियोजना और नई रेलवे लाइनें जैसी परियोजनाएं रसद को बढ़ाती हैं।
6. **औद्योगिक और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र समर्थन:** एनईआईडीएस 2017 और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियां एनईआर में उद्योगों और युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं। कृषि-प्रसंस्करण, आईटी, हस्तशिल्प और कपड़ा जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
7. **बेहतर सुरक्षा एवं शांति पहल:** उग्रवाद में कमी और शांति समझौते पर हस्ताक्षर ने निवेश के लिए एक स्थिर वातावरण तैयार किया है। AFSPA की आंशिक वापसी से कानून और व्यवस्था में सुधार का संकेत मिलता है।
8. **केंद्र सरकार का फोकस और फंडिंग सहायता:** 10% जीबीएस आवंटन नियम के तहत 54 मंत्रालयों से ₹76,000 करोड़ से अधिक (2022-23) निर्धारित किए गए। पीएम-डिवाइन और एनईएसआईडीएस जैसी विशेष योजनाएं क्षेत्र-विशिष्ट विकास के लिए तैयार की गई हैं।

एनईआई क्षमता की खोज में चुनौतियाँ :

1. **भौगोलिक अलगाव:** संकीर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) आसान पहुंच को सीमित करता है, जिससे सामान और लोगों की आवाजाही प्रभावित होती है।

2. **अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा:** खराब सड़क, रेल, बिजली और डिजिटल बुनियादी ढांचा औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में बाधा डालता है।
3. **सुरक्षा चिंताएँ और उग्रवाद विरासत:** हालाँकि सुधार हो रहा है, लेकिन अतीत के विद्रोह और अंतर-जातीय संघर्षों के अवशेष अभी भी निवेश में झिझक पैदा करते हैं।
4. **बारंबार प्राकृतिक आपदाएँ:** यह क्षेत्र बाढ़, भूस्खलन और भूकंप से ग्रस्त है, जो कनेक्टिविटी और आजीविका को बाधित करता है।
5. **सीमा विवाद और शासन संबंधी मुद्दे:** अंतरराज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमा तनाव (जैसे, असम-मेघालय, असम-मिजोरम) सामंजस्यपूर्ण योजना में बाधा डालते हैं।
6. **सीमित निजी निवेश:** अनुमानित जोखिम, उच्च लॉजिस्टिक लागत और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की कमी निजी क्षेत्र की भागीदारी को हतोत्साहित करती है।
7. **जागरूकता और बाज़ार पहुंच का अभाव:** खराब ब्रांडिंग और स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों तक सीमित पहुंच आर्थिक अवसरों को बाधित करती है।
8. **कौशल अंतराल और प्रवासन:** उच्च साक्षरता के बावजूद, व्यावसायिक प्रशिक्षण की कमी के कारण युवा नौकरियों की तलाश में पलायन करते हैं, जिससे स्थानीय प्रतिभा ख़त्म हो जाती है।

समाधान की राह :

1. **भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाएँ :** राजमार्गों, रेलवे, हवाई अड्डों और ब्रॉडबैंड बुनियादी ढांचे को पूरा करने में तेजी लाएं। एनईआर को आसियान बाजारों के साथ एकीकृत करने के लिए एक्ट ईस्ट नीति के तहत सीमा पार कनेक्टिविटी को मजबूत करना।
2. **शांति और सुरक्षा उपायों को मजबूत करें:** निरंतर बातचीत और हस्ताक्षरित समझौतों के कार्यान्वयन के माध्यम से शांति निर्माण को गहरा करना। स्थायी स्थिरता के लिए कानून प्रवर्तन और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करें।
3. **जैविक एवं सतत कृषि को बढ़ावा देना:** MOVCDNER जैसी पहलों का विस्तार करें और जैविक बाजारों और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करें। स्थानीय उपज के मूल्यवर्धन और निर्यात को प्रोत्साहित करें।
4. **औद्योगिक एवं उद्यमिता प्रोत्साहन:** क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक गलियारे और क्लस्टर विकसित करें। कौशल विकास और स्टार्टअप और सूक्ष्म उद्यमों के लिए समर्थन के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना।
5. **पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत का लाभ उठाएं:** स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इकोटूरिज्म सर्किट और सांस्कृतिक उत्सव विकसित करें। आतिथ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार करें और स्थानीय शिल्प को बढ़ावा दें।
6. **अंतरराज्यीय और सीमा विवादों का समाधान करें:** लंबित सीमा मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत और राजनयिक जुड़ाव जारी रखें। समावेशी शासन के लिए स्वायत्त परिषदों का उपयोग करें।

7. **मानव पूंजी विकास को बढ़ावा:** गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करें। उत्कृष्टता केंद्र और डिजिटल कौशल केंद्र स्थापित करें।
8. **प्रोत्साहन और साझेदारी के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देना:** कर प्रोत्साहन, व्यापार करने में आसानी और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निजी निवेश आकर्षित करें। व्यापार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ सहयोग को मजबूत करना।

निष्कर्ष :

- उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) भारत के रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभर रहा है। एक समय इसे सुदूर और संघर्ष-प्रवण सीमा माना जाता था, अब इसे निरंतर शांति-निर्माण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और विकास-केंद्रित शासन के माध्यम से राष्ट्रीय मुख्यधारा में सक्रिय रूप से एकीकृत किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में इसका रणनीतिक स्थान, समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, जैविक खेती की क्षमता, जीवंत सांस्कृतिक विरासत और सुरक्षा में सुधार के साथ मिलकर, इसे भारत की एक्ट ईस्ट नीति और क्षेत्रीय सहयोग एजेंडे का केंद्र बनाता है। हालाँकि, इसकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए भौगोलिक अलगाव, बुनियादी ढांचे की कमी और सीमित निजी निवेश जैसी गहरी जड़ें जमा चुकी चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है। एक संतुलित दृष्टिकोण जो समावेशी विकास, क्षेत्रीय एकीकरण, पारिस्थितिक स्थिरता और सामुदायिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देता है, आवश्यक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1. भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसकी सीमाएँ केवल दो देशों - बांग्लादेश और म्यांमार के साथ लगती है।
2. एक्ट ईस्ट पॉलिसी एनईआर को दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करती है।
3. पीएम-डिवाइन योजना विशेष रूप से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

इनमें से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1. भारत का उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) अब एक परिधि नहीं है बल्कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और आर्थिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।" एनईआर के रणनीतिक, आर्थिक और विकासात्मक महत्व पर चर्चा करें और इसकी पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए आगे का रास्ता सुझाएं।
(शब्द सीमा - 250 अंक - 15)